हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 21 | देहरादून, शुक्रवार, 08 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री ने कोड योगी द्वारा प्रशिक्षित युवाओं को प्रदान किये नियुक्ति पत्र एवं लेपटॉप

4

सीएम धामी और केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले "राइज़ इन उत्तराखण्ड" में हुए शामिल

विभिन्न उपक्रम एवं विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी लगाई गयी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित "राइज़ इन उत्तराखण्ड" कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न उपक्रम एवं विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं को कुछ नया करने की प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2014 के बाद भारत को नई पहचान मिली है देश में कोविड टीकाकरण महाअभियान, आयुष्मान योजना, उज्जवला योजना, स्किल इंडिया जैसी तमाम योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वरोजगार और स्टार्टअप की अपार संभावनाएं हैं। आज हमारा प्रदेश बड़े राज्यों की तुलना में तेजी से स्टार्टअप और स्किल डेवलपमेंट की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखण्ड लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ रहा है।

केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है, वहीं बदरीनाथ धाम में 265 करोड़ की लागत से नया मास्टर प्लान बनाया जा रहा है इसके अलावा दिल्ली से देहरादून एलिवेटेड सड़क निर्माण, का कार्य भी जल्द पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा भारत माला प्रोजेक्ट, पर्वत माला प्रोजेक्ट, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन जैसे अनेक महा परियोजना संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भी प्रदेश में "विकल्प रहित संकल्प" के मूल मंत्र पर काम कर रही है। प्रदेश में युवाओं और महिलाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की आर्थिकी को मजबूत करने के लिए सरकार स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित कर रही है, इसके लिये बजट में भी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का आवाहन करते हुए कहा कि वर्ष 2025 के रजत जयंती वर्ष को हम सब महाअभियान के तहत मनाएंगे।

यह वर्ष उत्तराखंड के 25 वर्ष पूरे होने के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनने का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के कल्पना के अनुरूप उत्तराखंड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का हमारा प्रयास है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी युवा नेता के तौर पर उत्तराखंड में बहुत बेहतर कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई विकास योजनाएं आगे बढ़ रही हैं और उत्तराखंड भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा के ऐसे आयोजन छात्र-छात्राओं के लिए भी बेहतर सिद्ध होंगे। इस दौरान ऋषिकेश नगर निगम के महापौर अनीता ममगाई, राज्य एवं केंद्र सरकार कि प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में छात्र छात्राएँ मौजूद मौजूद रहे।

काठगोदाम में मुख्यमंत्री ने दैवीय आपदा, निर्माणदायी संस्था, कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कुमाऊं मंडल के अंर्तगत 5 करोड़ से अधिक लागत की योजनाओं की समीक्षा बैठक सर्किट हाउस, काठगोदाम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री द्वारा दैवीय आपदा, निर्माणदायी संस्था, कानून व्यवस्था व विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने मण्डलीय अधिकारियों को योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु सरलीकरण, समाधान व निस्तारण के मंत्र पर कार्य करने के निर्देश दिए जिससे योजनाओं का अधिकतम लाभ ससमय आम जनमानस को मिल सके।

▪ पेयजल निगम, पिथौरागढ़ से सक्षम अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित न होने पर सीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए मण्डलायुक्त को स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए।

▪ नए शासनादेश हेतु घोषणा1

बैठक में मुख्य अभियंता लोनिवि, राष्ट्रीय राजमार्ग, सिंचाई व अन्य विभाग के अभियंताओ द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि शासकीय विकास परक योजनाओं के निर्माण कार्यों में कतिपय ठेकेदारों द्वारा लेट लतीफी की जा रही है जिस सम्बन्ध में माननीय मुख्यमंत्री ने समस्त निर्माणदायी एजेंसियों को निर्देश दिए कि ऐसे ठेकेदारों को एक बार अंतिम मौका/चेतावनी देते हुए कार्यों में प्रगति लायी जाय। यदि चेतावनी के पश्चात भी ठेकेदार द्वारा समय से कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है तो सम्बन्धित ठेकेदार को न्यूनतम 03 वर्ष के लिए डिबार्ड किया जाय जिससे वह सरकारी निविदा प्रक्रिया में भाग न ले सके।इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में अधिक समय न लगे, इसके लिए सम्बन्धित उपजिलाधिकारी ही भूमि अधिग्रहण हेतु सक्षम प्राधिकारी (काला सम्बन्धित) कार्य के लिए पदेन सदस्य होंगे। इससे पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग में भूमि अधिग्रहण सम्बन्धी कार्यों के लिये शासन स्तर से काला को नोटिफाइड करना होता था जिसमें अधिक समय लग जाता था व विकास कार्यों में देरी होती थी।

▪ मानसखण्ड कॉरिडोर के तहत अवसंरचना विकास।मानस खण्ड कॉरिडोर के अंर्तगत 42 मंदिर चिन्हित किये गए है जिसके माध्यम से चरणबद्ध रूप से सड़कों का जाल बिछ जायगा व चौड़ीकरण होगा। सड़कों का विकास होने से पर्यटकों के लिए पर्यटन भी सुगम व सुलभ होगा साथ ही आर्थिकी भी सशक्त होगी।

▪ राजस्ववृद्धिके स्त्र ते बढ़ाए जाय।राज्यके विकास हेतु आवश्यक है कि राजस्व के स्त्रोत भी विकसित हो, इसके लिए मण्डलायुक्त को राजस्व, जीएसटी विभाग व अन्य विभागों की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

▪ आपदा हेतु अधिकारी अलर्ट व सतर्क रहें।माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा को रोका नहीं जा सकता किन्तु आपदा के प्रभाव को कम किया जा सकता है। आपदा न्यूनीकरण हेतु समस्त अधिकारी सतर्क व एलर्ट रहे जिससे ससमय राहत व बचाव कार्य किया जा सके। आपदाग्रस्त क्षेत्र में ससमय राशन, दवाई व अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। सम्वेदनशील क्षेत्रों पर सभी जिलाधिकारी पैनी नजर रखे।

▪ विकास कार्यों में लेटलतीफी बर्दाश नहीं कि जायगी। कार्यदायी संस्थाओं द्वारा पूर्ण किये जा चुके निर्माण कार्यों को हस्तगत किया जाय जिससे योजनाओं का उद्देश्य सिद्ध हो। अधिकारियों को योजनाओं की प्रगति टिप्स में रहनी चाहिये, इसके लिए अधिकारी स्वयं क्षेत्र का भ्रमण करें व समीक्षा बैठक ले। अधिकारी मिशन कर्मयोगी बनकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री की कर्मयोगी अवधारणा के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। कहा कि अधिकारी इस अनुरूप कार्य करें उनका कार्यकाल/सेवाकाल विशेष कार्यों के लिए जाना जाए। वर्ष 2025 में राज्य मनाएगा रजत जयंती।इन तीन वर्षों में अधिकारी बेस्ट प्रक्टिसेस के तहत योजनाओं को चिन्हित करें, जिससे राज्य विशिष्ट कार्यों के लिए मॉडल बने व अपनी पहचान बना सके। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी का गौलापार हैलीपैड पर गार्ड ऑफ सलामी दी गई।

बैठक में विधायक एवं पूर्व मंत्री बंशीधर भगत, सरिता आर्या, दीवान सिंह बिष्ट, रामसिंह कैडा, डा0 मोहन बिष्ट, मेयर डा0 जोगेन्दर रौतेला, आयुक्त दीपक रावत, डीआईजी नीलेश आनन्द भरणे, जिलाधिकारी धीराज सिह गर्ब्याल, एसएसपी पंकज भटट, आरएफसी कुमाऊं हरवीर सिह, अपर जिलाधिकारी शिवचरण द्विवेदी,सिटी मजिस्टेट ऋचा सिह, अशोक जोशी,उपनिदेशक अर्थसंख्या राजेन्द्र तिवारी के साथ ही समस्त मण्डलीय अधिकारी उपस्थित थे।

पंजीकरण में तीर्थयात्रियों का बना रिकॉर्ड, अब तक 35.5 लाख श्रद्धालु करा चुके पंजीकरण

चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले तीर्थयात्रियों ने इस बार नया रिकॉर्ड बनाया है। दो महीने के भीतर ही वर्ष 2019 में आए श्रद्धालुओं से अधिक पंजीकरण का आंकड़ा पहुंच गया है। अभी यात्रा चार महीने और चलेगी। वर्तमान में चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सरकार को इस बार 40 लाख तीर्थयात्रियों के दर्शन करने की उम्मीद है। जो एक नया रिकॉर्ड बनेगा।

2019 में चारधाम यात्रा में 34 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के आने से रिकॉर्ड बना था। इसके बाद वर्ष 2020 व 2021 में कोविड महामारी के कारण चारधाम यात्रा बाधित रही। पर्यटन विभाग के रिपोर्ट के मुताबिक चारधाम यात्रा के लिए अब तक तीर्थयात्री के पंजीकरण का आंकड़ा 35.5 लाख पहुंच चुका है। इसमें 26 लाख से अधिक श्रद्धालु बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम में दर्शन कर चुके हैं।

चारधाम यात्रा में भारी संख्या में तीर्थयात्रियों के आने से सरकार के सामने भी चुनौती थी। यात्रा बिना किसी व्यवधान के चले, इसके लिए सरकार ने काफी प्रयास किए। केदारनाथ धाम में एक दिन में तीर्थयात्रियों की क्षमता लगभग 15 हजार है। शुरूआत में 25 हजार तक यात्री पहुंचे। चारधाम यात्रा इस बार एक नया रिकॉर्ड बना रही है।

पहाड़ों पर ड्रैगन फ्रूट उगायेगी धामी सरकार, पायलट प्रोजेक्ट शुरू

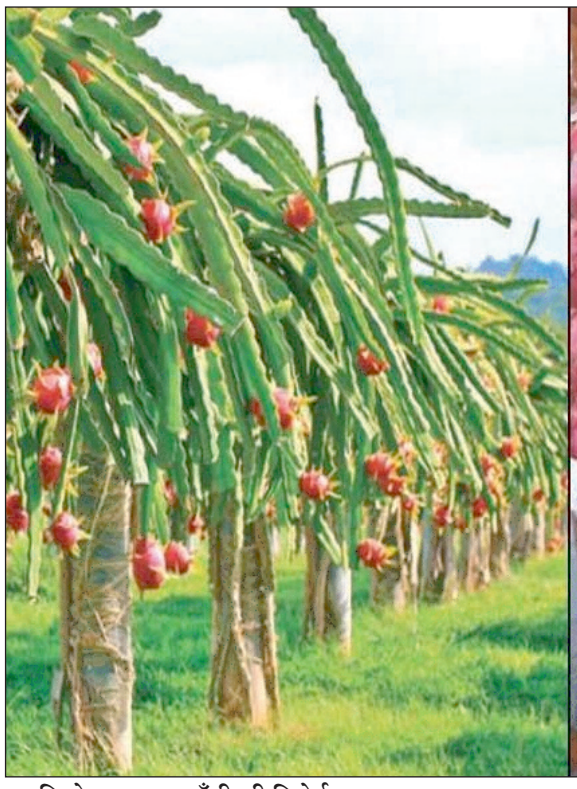

ड्रैगन फ्रूट की खेती कर देगी मालामाल, जानिए कैसे?

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

स्वरोज़गार और कृषि को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार नए नए रास्ते खोज रही है अब इसमें शामिल हो रहा है ड्रैगन फ्रूट .. जी हाँ सही सूना आपने , विदेशों में उगने वाला ड्रैगन फ्रूट अब उत्तराखंड के पहाड़ी जनपदों में भी आपको देखने को मिलेगा.... उत्तराखंड उद्यान विभाग ने श्रीनगर में ड्रैगन फ्रूट की खेती पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू कर दी है. अगर ये प्रोजेक्ट सफल रहा तो ड्रैगन फ्रूट की पौध आमजन तक भी पहुंच सकेगा. वहीं, प्रदेश के बेरोजगार युवा ड्रैगन फ्रूट की खेती करके स्वरोजगार की तरफ आगे बढ़ सकेंगे. इससे पहाड़ों से लेकर मैदान तक युवाओं को नया रोजगार मिल सकेगा...

उद्यान विभाग ने श्रीनगर स्थित विभाग की नर्सरी में अपनी साढ़े तीन नाली भूमि पर ड्रैगन फ्रूट की खेती कर रहा है. इसके लिए विभाग ने भूमि के अंदर 72 स्टैंड स्थापित किए हैं, जिसमें 214 पौधे इन स्टैंड पर लगाए गए हैं. हर स्टैंड पर ड्रैगन फ्रूट के चार बेलनुमा पौधे लगाई हुई है. जिससे ड्रैगन फ्रूट के फल इन पौधों पर आ सके. विभाग ने इन ड्रैगन फ्रूट के पौधों को राजस्थान से मंगाया है. ताकि ड्रैगन फ्रूट की खेती सफलतापूर्वक प्रदेश में की जा सके... फिलहाल ड्रैगन फ्रूट की खेती पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर श्रीनगर में ही किया जा रहा है. अगर विभाग को इसकी खेती में सफलता मिली तो ड्रैगन फ्रूट की खेती पूरे प्रदेश में स्वरोजगार के रूप में की जा सकेगी. अभी तक देश के राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र में ड्रैगन फ्रूट की खेती की जाती रही है, लेकिन प्रदेश सरकार के प्रयासों के चलते अब इसे प्रदेश में भी किया जा सकेगा... थोड़ा इंतज़ार कीजिये जब इस योजना से पहाड़ों में खुशहाली की नई पौध लहलहायेगी तब किसानों को समृद्ध बनाने की राह और भी आसान हो सकेगी।

2026 में तीन तारों वाली केबल कार रोपवे से होगा केदारनाथ का सफर आसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आप यकीन करेंगे कि बेहद मुश्किल समझा जाने वाला देवभूमि उत्तराखंड में केदारनाथ धाम का सफर 7-8 घंटे के बजाए केवल 40 मिनट में तय हो जाएगा ? इतना ही नहीं योजना साकार होने के बाद हर उम्र के लोग आसानी से केदारपुरी के दर्शन कर सकेंगे... श्रद्धालुओं की परेशानी को देखते हुए केन्द्र सरकार ने यहां पर रोपवे निर्माण का फैसला किया है... उम्मीद है कि रोपवे निर्माण का काम सितंबर तक सौंप दिया जायेगा। अगले साल मार्च तक निर्माण काम शुरू होने की संभावना है.... रोपवे निर्माण में 3 साल का समय लगने की संभावना जताई गयी है।

फिलहाल अभी की बात करें तो केदारनाथ जाने का दो ही साधन है , पहला पैदल 7-8 घंटे का सफर कर पहुंचा जा सकता है और दूसरा हेलीकॉप्टर सेवा है. हेलीकॉप्टर सेवा महंगी होने के साथ साथ अधिक मांग होने की वजह से असानी से उपलब्ध नहीं होता है. इस वजह से ज्यादा श्रद्धालु पैदल ही केदारनाथ पहुंचते हैं. श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़क परिवहन मंत्रालय रोपवे निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसका निर्माण एनएचएआई की कंपनी एनएचएलएमएल कर रही है...

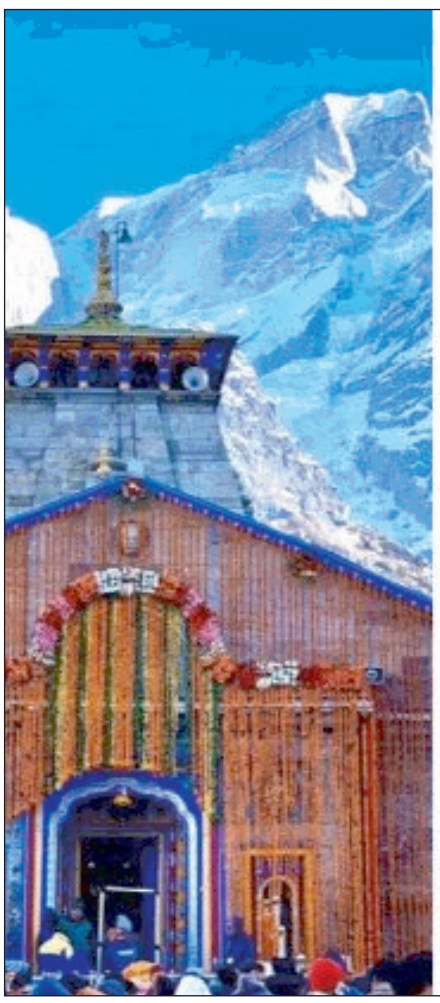

देश में पहली बार इस्तेमाल होगी विश्व की सबसे सुरक्षित तकनीक

इस रोपवे में देश में पहली बार विश्व की सबसे सुरक्षित तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. श्री एस ट्राइकेबल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. इसमें केबल कार तीन तारों पर चलेगी. यह तकनीक विश्व में कुछ चुनिंदा जगह इस्तेमाल की गयी है...

एनएचएलएमएल के अधिकारी मीडिया को जानकारी देते हुए कहते हैं कि सड़क परिवहन मंत्रालय के निर्देशन में केदारनाथ रोपवे निर्माण की प्रक्रिया काफी तेजी से चल रही है. सितंबर तक काम अवार्ड कर दिया जाएगा. निर्माण करने वाले कंपनी को साइट बनाने में समय लगेगा. इस तरह संभावना है कि मार्च 2023 तक निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा. पहाड़ी इलाका होने की वजह से निर्माण कार्य में समय लगेगा. तीन साल में रोपवे निर्माण पूरा कर लिया जाएगा. इस तरह वर्ष 2026 से केदारनाथ रोपवे से पहुंचा जा सकेगा..... तो आप भी तब तक कीजिये इस नए प्रोजेक्ट के साकार होने का इंतज़ार।

अगस्त में होगी अग्निपथ भर्ती प्रक्रिया, ठगी और लेनदेन जैसी घटनाओं को रोकने के निर्देश

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में अग्निपथ योजना के तहत अगस्त एवं सितम्बर माह में राज्य में होने वाली भर्तियों के सम्बन्ध में शासन के उच्चाधिकारियों, पुलिस एवं सेना के अधिकारियों के मध्य बैठक आयोजित की गयी।मुख्य सचिव ने मेजर जनरल एन.एस. राजपुरोहित को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार भर्ती प्रक्रिया में सेना को हर सम्भव सहयोग उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में होने वाली इस भर्ती प्रक्रिया में अत्यधिक भीड़भाड़ होने की सम्भावना है। राज्य के युवाओं भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए शासन प्रशासन द्वारा हर सम्भव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि मानसून सीजन के कारण भर्ती स्थलों में वाटर लॉगिंग होने की सम्भावना बनी रहेगी, इसके लिए वाटर सक्शन पंप की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए जनपदों में जिलाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों नोडल अधिकारी तैनात किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भर्ती स्थलों में रहने-खाने, शेल्टर आदि के साथ ही बिजली, पानी, सफाई एवं टॉयलेट्स की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने भर्ती स्थल में एम्बुलेंस, मेडिकल ऑफिसर आदि की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। युवाओं को भर्ती स्थलों तक आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए परिवहन विभाग द्वारा बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव द्वारा खाने पीने की उचित कीमतों को सुनिश्चित किए जाने हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कहा कि अत्यधिक भीड़-भाड़ होने के कारण ऐसे स्थलों में महिला स्वयं सहायता समूहों की मदद भी ली जा सकती है।

मुख्य सचिव ने भर्ती प्रक्रिया में भर्ती एजेन्टों के नाम पर होने वाली ठगी और लेनदेन जैसी घटनाओं को रोकने हेतु पुलिस महानिदेशक को स्पेशल कैम्पेन चलाए जाने एवं विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने भर्ती स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार कैमरों एवं सिविल इंटेलीजेंस आदि के माध्यम से निगरानी किए जाने के निर्देश दिए। जोनल रिक्रूटिंग ऑफिसर मेजर जनरल एन.एस. राजपुरोहित ने बताया कि उत्तराखण्ड में अगस्त एवं सितम्बर माह में अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो रही है जिसके लिए ऑनलाईन पंजीकरण प्रक्रिया सेना की वेबसाईट www.joinindianarmy.nic.in के माध्यम से शुरू हो गयी है। गढ़वाल रीजन के सभी जनपदों के लिए भर्ती रैली 19 अगस्त, 2022 से 31 अगस्त, 2022 तक कोटद्वार में आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार कुमाऊं रीजन में अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल और उधमसिंह नगर के लिए भर्ती रैली 20 अगस्त, 2022 से 31 अगस्त, 2022 तक रानीखेत में और चम्पावत और पिथौरागढ़ जनपदों के लिए 05 सितम्बर, 2022 से 12 सितम्बर, 2022 तक पिथौरागढ़ में भर्ती रैली आयोजित की जाएगी।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द वर्द्धन, डीजीपी अशोक कुमार, एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर वी. मुरूगेशन, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकि एवं विनोद कुमार सुमन सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपदों से जिलाधिकारी एवं अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

क्यों नही होता अब विधान सभा में उत्कृष्ट विधायक का चयन..?

2014 के बाद से चयन नहीं हुआ उत्कृष्ट विधायक का

एम. फ़हीम 'तन्हा'
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में वर्ष 2017 में और अब 2022 में विधानसभा चुनाव होकर सरकार भी बदल गई यानि विधानसभा का गठन भी दूसरी बार हो चुका है लेकिन वर्ष 2014 के बाद से उत्कृष्ट विधायक का चयन नहीं हुआ है। विधानसभा में वर्ष 2008 से प्रतिवर्ष उत्कृष्ट विधायक चुने की शुरुआत हुई थी। वर्ष 2015 में हुई उत्कृष्ट विधायक चयन समिति की बैठक वर्ष 2012, 13 एवं 14 के लिए उत्कृष्ट विधायकों का चयन नियमावली के अनुसार हुआ था। लेकिन उसके बाद से उत्कृष्ट विधायक चयन के लिए कमेटी गठन कर बैठक नहीं हो पाई है। वर्ष 2017 में बीजेपी सरकार बनने पर प्रेमचंद अग्रवाल स्पीकर बने थे, और इस वर्ष मार्च 2022 में बीजेपी की फिर से सरकार बनी और स्पीकर ऋतु खंडूरी भूषण बनी हैं। सूत्रों का कहना है वर्ष 2021 में प्रेमचंद अग्रवाल के स्पीकर रहते हुए उत्कृष्ट विधायक चयन प्रक्रिया शुरू करने की कुछ चर्चा तो हुई लेकिन बात आगे नहीं बढ़ पाई।

अबतक वर्ष 2008 में प्रकाश पंत, 2009 में प्रीतम सिंह, 2010 में जोत सिंह गुनसोला, 2011 में अमृता रावत, 2012 में मदन कौशिक और वर्ष 2013 में डॉ. इंदिरा हृदयेश उत्कृष्ट विधायक चुने जा चुके हैं। इस मामले को उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा है कि जब प्रतिवर्ष उत्कृष्ट विधायक का चयन होने की परंपरा की शुरुआत हुई थी तो ये प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए क्योंकि इससे चयनित होने वाले उन विधायकों को तो अच्छा कार्य करते रहने का उत्साह तो बढ़ता ही है, साथ ही अन्य विधायकों को भी अपने-अपने क्षेत्र के मुद्दों को बेहतर और प्रभावशाली ढंग से सरकार के सामने रखकर उत्कृष्ट विधायक बनने की प्रेरणा मिलती है।

इस मामले में विधानसभा सचिव मुकेश सिंघल ने कुछ कहने से इंकार कर दिया। विधानसभा की वर्तमान स्पीकर ऋतु भूषण खंडूरी ने इस मामले में पूछे जाने पर कहा कि जल्दी ही संबंधित अफसरों से इस मामले में चर्चा करके उत्कृष्ट विधायक चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इतने वर्षों तक प्रक्रिया लंबित रहने पर उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया।

रायपुर सीट से बीजेपी विधायक उमेश शर्मा काऊ ने इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक विधायक के लिए जनता का दिया हुआ पुरुस्कार ही उत्कृष्टता की पहचान है, जनता ही फैसला करती है उत्कृष्ट विधायक का, मैं जनता के काम मे ज्यादा विश्वास करता हूँ। इनके अलावा धर्मपुर क्षेत्र से बीजेपी विधायक विनोद चमोली का कहना है कि उत्कृष्ट विधायक चयन समिति की वार्षिक तौर पर बैठक होकर विधायक का चयन होना चाहिए इससे अन्य विधायकों को भी प्रेरणा मिलती है। देवप्रयाग सीट से विधायक विनोद कंडारी का भी कहना है कि जब विधानसभा में उत्कृष्ट विधायक चयन की प्रक्रिया की व्यवस्था है तो फिर इतने वर्षों तक लंबित नहीं रहना चाहिए, उत्कृष्ट विधायक चुने जाने से दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कोड योगी द्वारा प्रशिक्षित युवाओं को प्रदान किये नियुक्ति पत्र एवं लेपटॉप

कोड योगी द्वारा प्रशिक्षित प्रदेश के आई.टी.आई एवं पॉलिटेक्निक में अध्ययनरत छात्राओं को विभिन्न संस्थानों में हुई नियुक्ति

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोड योगी द्वारा प्रशिक्षित युवाओं को विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रदान किये नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए। कोड योगी द्वारा प्रशिक्षित एवं नियुक्ति पत्र पाने वाले प्रदेश के विभिन्न आई.टी.आई. एवं पॉलिटेक्निक में अध्ययनरत छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नये जीवन की शुरुआत करने वाले युवाओं को जीवन में सकारात्मक सोच के साथ बेहतर करने के प्रयास करने होंगे। यह उनके जीवन की सफलता की राह प्रशस्त करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी भावना के साथ किया गया कार्य आगे बढ़ने की भी प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे जीवन में परिश्रम करते हुए आगे बढ़ने की सोच के साथ आगे बढ़े। सीखने की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने कहा कि युवा विकल्प रहित संकल्प के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करें। सपने तभी साकार होंगे जब आपके संकल्प में मजबूती होगी। स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य अनंत ऊर्जा का भण्डार है। वह जो चाहे कर सकता है। वह किसी सीमा से नहीं बंधा हैं। आवश्यकता स्वयं को जानने और पहचानने की है। तभी आपके मनोरथ सफल होंगें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोड योगी द्वारा युवाओं को तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें प्रोत्साहित करने का भी कार्य किया गया है। निस्वार्थ भाव से किये गये ऐसे कार्य नियमित रूप से संचालित होते रहे, इसकी भी उन्होंने जरूरत बताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवा नौकरी लेने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बने इसके लिए सरकार प्रोत्साहन देने में पीछे नहीं रहेगी। इसके लिए युवाओं के कौशल विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2025 में उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो, इसके लिए सभी संस्थानों संगठनों को आगे आकर सहयोगी बनना होगा। राज्य के विकास में अपना योगदान देना होगा। हम राज्य के हित में क्या बेहतर कर सकते है यह भावना होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में सभी का सहयोग लेने के लिये बोधित्सव श्रृंखला के माध्यम में बुद्धिजीवियों के सुझाव लिये जा रहे हैं। सरलीकरण, समाधान तक निस्तारण के मन के साथ कार्य कर रहे है। प्रदेश की जनता से हमने जो वादे किये है उन्हें पूर्ण करने का हमारा निरंतर प्रयास है। यदि प्रदेश हित में हम अच्छा कार्य करेंगे तो सभी अच्छा कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि स्टार्ट अप के क्षेत्र में राज्य एक पायदान आगे बढ़ा है। इस क्षेत्र में हम बड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई कार्य संस्कृति एवं कार्य व्यवहार आया है। हम उत्तराखंड में भी कार्य संस्कृति में सुधार ला रहे हैं। राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ विकल्प रहित संकल्प के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने हर वादे को पूरा करने में जुटे हैं। हमारी सरकार ने उत्तराखंड राज्य के लिए 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' का ड्राफ्ट तैयार करने हेतु कमेटी का गठन करा है, जो की जल्द ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस यूनिफॉर्म सिविल कोड का दायरा सभी नागरिकों के लिये समान क़ानून चाहे वे किसी भी धर्म में विश्वास रखते हों, होगा।

इस अवसर पर कोड योगी के संस्थापक प्रशांत चौधरी ने कहा कि हमने प्रदेश के आई.टी.आई. तथा पॉलिटेक्निक में अध्ययनरत छात्रों को कोडिंग के क्षेत्र में छात्रों को प्रशिक्षित करने का कार्य किया हैं। यह छात्रों के संघर्ष को दिशा देने का भी कार्य रहा। इससे युवाओं में विश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कोड योगी का मकसद युवाओं को तकनीकि दक्षता उपलब्ध कराना है। अभी 30 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया है। भविष्य में और अधिक छात्रों को इससे जोड़ने का हमारा प्रयास रहेगा। कार्यक्रम में नियुक्ति पाने वाले छात्रों ने भी अपने विचार साझा किये।इस अवसर पर सचिव पंकज कुमार पाण्डे, आईएएस शैलेश बगोली, आईएएस रविनाथ रमन, जिलाधिकारी देहरादून आर राजेश कुमार सहित विभिन्न आई.टी.आई. एवं पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य भी उपस्थित थे।

स्पीकर खंडूरी से मिली उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल

न्यूज वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण से उनके यमुना कॉलोनी स्थित शासकीय आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों के ही बीच राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए जा रहे कदमों एवं अन्य विषयों पर विस्तार में वार्ता हुई ।

इस मुलाकात के दौरान महिला आयोग के अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी द्वारा सम्पन्न हुए सत्रों के दौरान सदन की कार्यवाही सुचारू एवं विधिवत रूप से संचालित किए जाने पर शुभकामनाएं दी।इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाए जाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर वार्ता करते हुए कुछ सुझाव भी साझा किए ।

पुरुषों के मुक़ाबले महिलाओं का दिमाग ज्यादा गर्म रहता है : रिसर्च

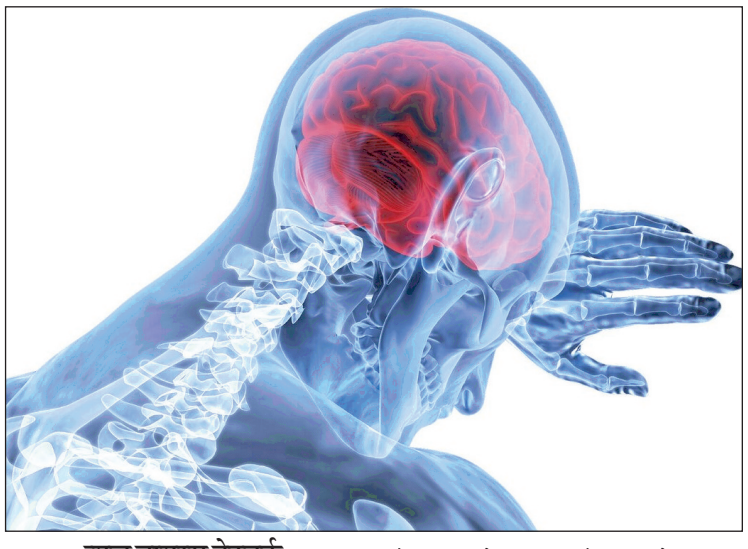

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रकृति की बनाई हुई अगर दुनिया की सबसे कोई जटिल चीज है तो वह शायद मानव मस्तिष्क ही है. इस पर कई गहन शोध होने के बाद भी अभी तक हमें इसके बारे में केवल कुछ ही जानकारी मिल सकी है. चौंकाने वाली बात लगती है, लेकिन नए अध्ययन में वैज्ञानिकों को पता चला है कि हमारे मस्तिष्क का तापमान जो समझा जाता रहा है उससे कहीं अधिक बदलता है. इस अध्ययन से कई धारणाओं के साथ यह धारणा भी टूटी है कि शरीर और मस्तिष्क का तापमान एक ही रहता है. यह खोज मस्तिष्क संबंधी रोगों और व्याधियों के निदान और उपचार में बहुत सहायक हो सकती है.

कितना होता है तापमान ?

इस अध्ययन में यह भी पाया गया है कि मस्तिष्क के दैनिक तापमान के चक्र का मस्तिष्क की चोटों से उबरने का गहरा संबंध है. पाया गया है कि मानव मस्तिष्क के तापमान में ज्यादा ही बदलाव आते हैं और यह एक सेहतमंद दिमाग की निशानी हो सकती है. जहां पुरुष और महिला दोनों के स्वस्थ शरीर का तापमान 37 डिग्री सेंटीग्रेड या 98.6 डिग्री फारेनहाइट माना जाता है,लेकिन पाया गया है कि मानव का औसत तापमान 38.5 डिग्री सेंटीग्रेड या 101.3 डिग्री फारेनहाइट होता है और उसकी गहराई में कई बार यह तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड या 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच जाता है. ऐसा विशेष तौर पर महिलाओं के साथ ज्यादा होता है कि उनके मस्तिष्क तापमान दिनभर पुरुषों की तुलना में ज्यादा होता है.

पहले क्या होता था ?

मानव मस्तिष्क की पिछली पड़तालों में दिमाग की चोट लगे वाले गंभीर मरीजों से मिले आंकड़ों पर निर्भरता ज्यादा रहती थी, जहां दिमाग पर सीधी निगरानी की जरूरत ज्यादा हुआ करती थी. लेकिन हाल ही में मस्तिष्क पर निगरानी की नई स्कैनिंग तकनीक सामने आई जिसे मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी (MRS) कहते हैं. इस मस्तिष्क को बिना खोले ही उसके अंदर के तापमान की जानकारी मिल सकती है.

तापमान के लिए उपयोग नहीं

लेकिन अजीब बात यह है कि एमआरएस को अभी तक मस्तिष्क के तापमान में बदलाव के अध्ययन के लिए उपयोग में ही नहीं लाया गया था. यूके के कैमब्रिज में मेडिकल रिसर्च काउंसिल (MRC) लेबोरेटरी फॉर मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के वैज्ञानिकों के नए अध्ययन में पहली बार स्वस्थ मस्तिष्क के तापमान का 4डी मैप बनाया है.

डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम, सचिव, पशुपालन की अध्यक्षता में हुआ पहला इंटरनेशनल सम्मेलन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- उत्तराखंड पशुपालन विभाग की हो रही दुनिया में चर्चा
- धामी सरकार और मंत्री सौरभ बहुगुणा की नीतियों का दिखने लगा असर
- बैंकाक मुख्यालय एनईडीएसी ने उत्तराखंड के पशुपालन विभाग के प्रयासों की सराहना की
- मुख्यमंत्री धामी और मंत्री सौरभ बहुगुणा के विजन को साकार कर रहे विभागीय सचिव डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम

वैश्विक निकाय ने 'पशुधन सहकारिता' पर आयोजित पहली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में उत्तराखंड की अनुकरणीय भूमिका की सराहना की। बैंकाक मुख्यालय एनईडीएसी ने उत्तराखंड के पशुपालन विभाग के प्रयासों की सराहना की है जिसके तहत हजारों किसानों को हिमालयी राज्य में सतत विकास और आजीविका लाने के लिए पशुधन प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक तकनीक दी जाती है। आपको बता दें कि पशुपालन को आर्थिकी और रोज़गार से जोड़ते हुए धामी सरकार और विभागीय मंत्री सौरभ बहुगुणा के साथ बेहतरीन प्रबंधन के माहिर और अनुभवी आईएएस अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम को उनकी इसी काबिलियत की वजह से पहले इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का चेयरमैन बनाया गया है।

इस दौरान चर्चा हुई कि उत्तराखंड ने पशुधन प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने में देश में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्नत और वैज्ञानिक पशुपालन के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को समृद्ध बनाने में उत्तराखंड की उपलब्धियों को अब दुनिया भर में स्वीकार किया जा रहा है।

नेटवर्क फॉर द डेवलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव्स इन एशिया एंड द पैसिफिक (एनईडीएसी) नामक एक वैश्विक संगठन ने 'पशुधन सहकारी समितियों' पर अपनी पहली बैठक आयोजित की। बैठक ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी। बैठक में बांग्लादेश, चीन, ईरान, केन्या, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका और थाईलैंड सहित आठ देशों के पशुपालन विशेषज्ञ शामिल हुए। NEDAC का प्रधान कार्यालय बैंकॉक, थाईलैंड में है।

यह भारत के लिए गर्व की बात है कि डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम, आईएएस, सचिव, पशुपालन और सहकारिता विभाग, उत्तराखंड, भारत ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें ₹पशुधन₹ पर एनईडीएसी समिति की पहली बैठक में उद्घाटन भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। एनईडीएसी बैंकॉक के मानद निदेशक डॉ केआर सालिन ने कहा कि उत्तराखंड को यह अनूठा सम्मान पर्वतीय राज्य द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और पशुपालन में आधुनिक प्रथाओं के माध्यम से समृद्ध बनाने में किए गए अनुकरणीय कार्यों के कारण मिला है।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ पुरुषोत्तम ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कृषि के बाद पशुधन खेती लोगों का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण व्यवसाय है, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तराखंड ने पशुपालन क्षेत्र के विकास में तेजी से कदम उठाए हैं। डॉ पुरुषोत्तम ने कहा कि राज्य ने किसानों को संगठित बाजार पहुंच प्रदान करके उनकी मदद की है। इस क्षेत्र में उत्तराखंड की विभिन्न उपलब्धियों के बीच, उन्होंने उत्पादन क्षेत्रों से लेकर मांग केंद्रों, बाजार संबंधों और मूल्य श्रृंखला निर्माण तक पशुधन उत्पादों के प्रसंस्करण, भंडारण और संरक्षण जैसी पहलों पर प्रकाश डाला।

डॉ अविनाश आनंद, प्रबंध निदेशक, यूएसजीसीएफ और परियोजना निदेशक, भेड़ बकरी क्षेत्र ने 'पशुधन सहकारिता' पर बैठक के दौरान बात की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड एकीकृत सहकारी विकास परियोजना (यूकेसीडीपी भेड़ बकरी क्षेत्र) राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के सहयोग से इन जानवरों के समग्र विकास में तेजी ला रही है। बैठक में भाग लेने वाले विभिन्न देशों के पशुपालन विशेषज्ञों ने सराहना की कि उत्तराखंड ने नस्ल सुधार और स्टॉक के प्रसार के लिए उच्च गुणवत्ता वाली भेड़ और बकरियों के साथ प्राथमिक सहकारी समितियां प्रदान की हैं। उन्होंने गोजातीय आबादी के नस्ल सुधार और पशुपालन क्षेत्र में अन्य प्रमुख पहलों के लिए राज्य द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

अक्षय पात्र : आज से खुल गया पीएम मोदी की काशी का सबसे बड़ा रसोईघर

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी में विकास की नई इबारत लिख दी है... इस बदलते भारत में संवरते यूपी की काशी की नई तस्वीर पूरी दुनिया में अब आकर्षण का केंद्र बन रही है. इसी कड़ी में काशी में उत्तर भारत की सबसे बड़ी रसोई घर बनाई गई है. जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया है।

वाराणसी के अर्दली बाजार स्थित 3 एकड़ में 13 करोड़ रुपये के लागत से एक विशाल और आधुनिक रसोई घर बनाई गई है. इस रसोई में रोटी,दाल, चावल और सब्जियां बनाने वाली मशीने हैं. जो एक दिन में एक लाख बच्चों को खाना खिला सकती हैं. फिलहाल वाराणसी के 143 प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए ये मशीने खाना बनाएंगी. पीएम मोदी द्वारा इस रसोईघर को अक्षय पात्र नाम दिया गया है।

पीएम मोदी ने अक्षय पात्र का 7 जुलाई को दोपहर 2 बजे उद्घाटन किया तो लोग जानने की कोशिश करने लगे की क्या ख़ास है इस रसोई घर में। पीएम मोदी ने इस दौरान 20 बच्चों से संवाद भी किया । अब प्रधानमंत्री के उद्घाटन के बाद रसोईघर में 143 स्कूलों यानी लगभग 25 हजारो बच्चों का खाना बनाना स्टार्ट हो जाएगा और भोजन मिलना शुरू हो जाएगा. किचेन में सबसे ज्यादा ध्यान हाइजीन का रखना गया है. किचेन में सबसे ज्यादा ध्यान हाइजीन का रखना गया है. सब्जी, अनाजों को धोने और रखने के लिए खास ध्यान रखा जा रहा है, जिसके लिए अलग-अलग कर्मचारी तैनात किए गए हैं.

आपको बता दें कि पूरे उत्तर भारत में ये रसोईघर पहला ऐसा रसोईघर है, जो 3 एकड़ में बना हुआ है. मिड डे मील के लिए भोजन तैयार करने वाला ये रसोईघर बनारस के विकास में एक नई कहानी लिखेगा, जो इस शहर में आने वाले समय में आकर्षण का केंद्र भी बनेगा.

अब 9 की जगह 6 महीने बाद ही लगवा सकते हैं बूस्टर डोज

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एनटीएजीआई की सिफारिश पर सभी लाभार्थियों के लिए कोविड-19 टीके की दूसरी एवं एहतियाती खुराकों के बीच अंतराल नौ महीने से घटाकर छह महीने कर दिया है. इस नयी टीका व्यवस्था के वास्ते कोविन प्रणाली में जरूरी बदलाव किये गये हैं।. राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को बुधवार को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की स्थायी तकनीकी उपसमिति की सिफारिश पर यह परिवर्तन किया गया है और उपसमिति भी सामने आ रहे वैज्ञानिक साक्ष्य एवं वैश्विक पद्धति को ध्यान में रखकर इस निष्कर्ष पर पहुंची है.

भूषण ने कहा कि इस सिफारिश पर एनटीएजीआई भी मुहर लगा चुका है. उन्होंने कहा, इसलिए, अब यह फैसला किया गया है कि 18 से 59 साल तक की उम्र के सभी लाभार्थियों को दूसरी खुराक के छह माह या 26 सप्ताह के पूरा हो जाने पर निजी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर एहतियाती खुराक दी जाएगी. स्वास्थ्य सचिव ने कहा, 60 साल से अधिक उम्र के लाभार्थियों तथा स्वास्थ्यकर्मियों एवं अग्रिम मोर्चा कर्मियों के लिए दूसरी खुराक के छह माह या 26 सप्ताह पूरा हो जाने पर एहतियाती खुराक मुफ्त सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर दी जाएगी.

पंजीकृत ठेकेदारों की समस्या पर व्यक्तिगत रूप से समाधान के लिए प्रयासरत हूँ : सतपाल महाराज

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सरकार के सबसे प्रभावशाली मंत्री और भारी भरकम विभागों के मुखिया सतपाल महाराज ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग में जो पंजीकृत ठेकेदार हैं उनकी हर समस्या के निदान को लेकर वे निजी तौर पर गंभीरता से प्रयास कर रहे हैं। आपको बता दें कि हिमालयन संविदाकार ठेकेदार समिति का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी मांगों के संबंध में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज से मिला है। लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत के नेतृत्व में हिमालयन संविदाकार ठेकेदार समिति के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों के संबंध में मंत्री सतपाल महाराज से सुभाष रोड स्थित उनके कैंप कार्यालय पर भेंट की और उन्हें अपनी समस्याओं से संबंधित एक मांग पत्र भी सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने लोनिवि मंत्री महाराज को अवगत कराया कि लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों के पंजीकरण और नवीनीकरण की शर्तें अत्यंत जटिल कर दी गई जिसके कारण पर्वतीय क्षेत्रों के ठेकेदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज को अवगत कराया कि पंजीकरण और नवीनीकरण की कठिन एवं जटिल शर्तों के चलते पर्वतीय क्षेत्र के ठेकेदारों के आगे रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है। इसलिए पंजीकरण की प्रक्रिया को पूर्व की भांति किया जाए।लोक निर्माण मंत्री महाराज ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि वह व्यक्तिगत रूप से भी उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकरण के सरलीकरण का मामला हो या फिर बड़ी निविदाओं को छोटा करने वह हमेशा इसके पक्षधर रहे हैं। इसलिए सभी लोग धैर्य रखें।

निश्चित रूप से आपकी समस्याओं का समाधान अवश्य निकलेगा।प्रतिनिधिमंडल में ठेकेदार सन्तन सिंह, राकेश गौड़, दीपक जुयाल, उपेंद्र भट्ट, शंकर भंडारी, नरेंद्र डंडरियाल, आलोक नेगी, पूरण सिंह, प्रदीप असवाल, नरेन्द्र भंडारी, हेमचंद देवरानी, दिगंबर सिंह रावत, मनोज रावत और गणेश आदि शामिल थे।

संपादकीय

भारत में विविधता और लोकतंत्र

दुनियाभर के मुसलमानों द्वारा इस्लाम को शांति के धर्म के रूप में दावा किया जाता है. धार्मिक ग्रंथ भी स्पष्ट रूप से शांति, शिक्षा और मानवता की सेवा करने का आदेश देते हैं. लेकिन इस्लाम के अनुयायियों के आचरण के बारे में आम धारणा दावे के विपरीत है. सार्वजनिक स्थानों पर हमारा व्यवहार, सामाजिक और राजनीतिक कार्य, समाज की अनदेखी और सामान्य शिष्टाचार में कमी हमारे दावों पर सवालिया निशान लगाते हैं. किसी भी समुदाय, समाज या राष्ट्र के बारे में धारणा उसके सामूहिक चरित्र, आचरण और योगदान के आधार पर बनती है. हर समुदाय या राष्ट्र में अच्छे लोग होते हैं, लेकिन राय बहुमत के व्यवहार और कार्यों के आधार पर बनती है. विचारों को थोड़े समय के लिए विकृत किया जा सकता है, लेकिन अगर लोगों का एक बड़ा वर्ग लंबे समय तक एक राय रखता है, तो यह समय ईमानदारी से आत्मनिरीक्षण करने और खुद को सुधारने का है, न कि उन्हें इस्लामोफोबिया बताकर स्वीकार करने से इनकार करने का. भारतीय मुसलमानों की बात करें, तो हमें ट्रिपल टैक्स यानी तिहरा कर चुकाना पड़ रहा है- पहला, 700 साल के मुस्लिम शासन की विरासत, जिस पर हम अपना दावा करते हैं, दूसरा, मुस्लिम दुनिया में होनेवाली घटनाएं, सीरिया से लेकर अफगानिस्तान तक और तीसरा, घरेलू सामाजिक-धार्मिक मुद्दे और एक गलत पड़ोसी देश का अस्तित्व. कुल मिलाकर, भारत में बहुसंख्यकों की मुसलमानों के बारे में राय नकारात्मक बनती जा रही है और एक वर्ग तो मुस्लिम विरोधी भावनाओं से पीड़ित हो रहा है. सभ्यता की उन्नति में मुस्लिम दुनिया के निम्न योगदान के कारण भी हमारी छवि खराब है, चाहे वह आधुनिक विज्ञान हो या प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यवसाय, उद्योग या यहां तक कि सामाजिक सेवाएं. उपभोक्तावादी जीवनशैली, धर्म और राजनीति की अधिकता भरी खुराक एवं परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की कमी के परिणामस्वरूप हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन में गिरावट जारी है. आधुनिक शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान न देने, संस्थानों की शक्तियों का लाभ उठाने में विफल रहने और तेजी से विकसित हो रही विश्व आर्थिक व्यवस्था के साथ तालमेल न रखने से समुदाय प्रगति के अधिकतर मापदंडों में पिछड़ रहा है. हालांकि, आत्मनिरीक्षण और कार्यशैली को सही करने के लिए यह सही समय है. भारतीय मुसलमान भाग्यशाली हैं कि वे विशाल सामाजिक विविधता और परिपक्व लोकतंत्र के लाभांश का निरंतर आनंद ले रहे हैं. आज मुस्लिम महिलाओं और युवाओं में नया आत्मविश्वास आया है तथा शिक्षा, सामाजिक कार्यक्रमों एवं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में समुदाय की भागीदारी में सुधार हुआ है. वर्तमान समय में जो चिंताजनक माहौल हमारे चारों ओर है, उससे छुटकारा पाने के लिए देश को धार्मिक कट्टरता और सभी प्रकार के अतिवाद के खिलाफ उठ खड़े होने और आवाज उठाने का समय आ गया है. धर्मांध तत्वों और ऐसी मानसिकता बनाने में सहयोग करनेवाले लोगों को किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि अगर इन्हें कोई भी रियायत दी गयी, तो ये लोग समाज को चैन से जीने नहीं देंगे.

एसएसपी अल्मोड़ा की सतर्क नजर, नशा तस्करों पर टूटी बनकर कहर

- SUV 500 से अवैध शराब की तस्करी कर रहे 2 व्यक्तियों को चौखुटिया पुलिस ने पीछा कर किया गिरफ्तार
- 42 पेटी अवैध अंग्रेजी दिल्ली मार्का की शराब बरामद, वाहन सीज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एसएसपी अल्मोड़ा प्रदीप कुमार राय द्वारा नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक रानीखेत तपेश कुमार चंद्र के नेतृत्व में थानाध्यक्ष चौखुटिया दिनेश नाथ महंत और पुलिस टीम के साथ वाहन चेकिंग के दौरान वाहन नंबर- DL-10-CT-0612 को जब रोका तो ये गाडी ढोन तिराहे पर रोकने पर चालक वाहन को चौखुटिया की तरफ भगा कर ले गया। पुलिस टीम द्वारा पीछा कर संगेला होटल के पास वाहन को रोक लिया तथा चालक व उसमें सवार एक व्यक्ति व वाहन को चैक किये जाने पर कब्जे से 504 बोतल में अंग्रेजी शराब OFFICE S CHOICE WHISKY मार्का दिल्ली की (कीमत करीब 3 लाख रुपये) बरामद किया गया। मौके पर गिरफ्तार दो लोगों को थाना चौखुटिया में धारा 60/72 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की गई और वाहन सीज किया गया है। थानाध्यक्ष चौखुटिया दिनेश नाथ महंत ने बताया कि दोनों से पूछताछ में पता चला है कि वह दिल्ली व हरियाणा से सस्ते दामों में शराब खरीदकर ला रहे थे तथा उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों में बेचते हैं। दोनों पकडे गए मनोज शर्मा थाना प्रतापपुर मेरठ से तथा देवेन्द्र थाना चुरु जिला चुरु राजस्थान से शराब तस्करी में पूर्व में जेल जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों से भी आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

अभी और तेज़ दौड़ेगा अवैध अतिक्रमण पर बुलडोज़र : डॉ आर राजेश कुमार, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अवैध अतिक्रमण, एवं खनन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं । मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने सभी उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, अवैध खनन, भण्डारण एवं अवैध परिवहन की सूचनाओं पर नियमित कार्यवाही करते हुए सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार के दिशा निर्देशन पर मसूरी क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण पर उप जिलाधिकारी नरेश चन्द्र दुर्गापाल के नेतृत्व में पुलिस क्षेत्राधिकारी मसूरी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी /कार्मिकों की टीम के साथ कार्यवाही की गयी है। मौके पर मौजूद अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया है और संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने बताया है कि अवैध अतिक्रमण एवं अवैध खनन, पर लगातार कार्यवाही की जा रही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी।

आप किस तरीके से हँसते हैं, जानिए इस खबर में

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

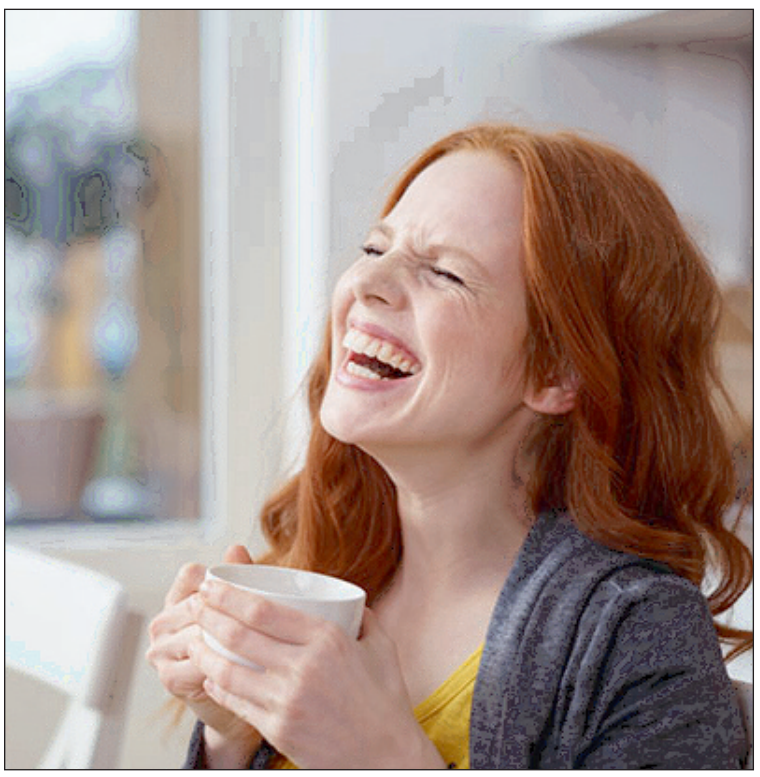

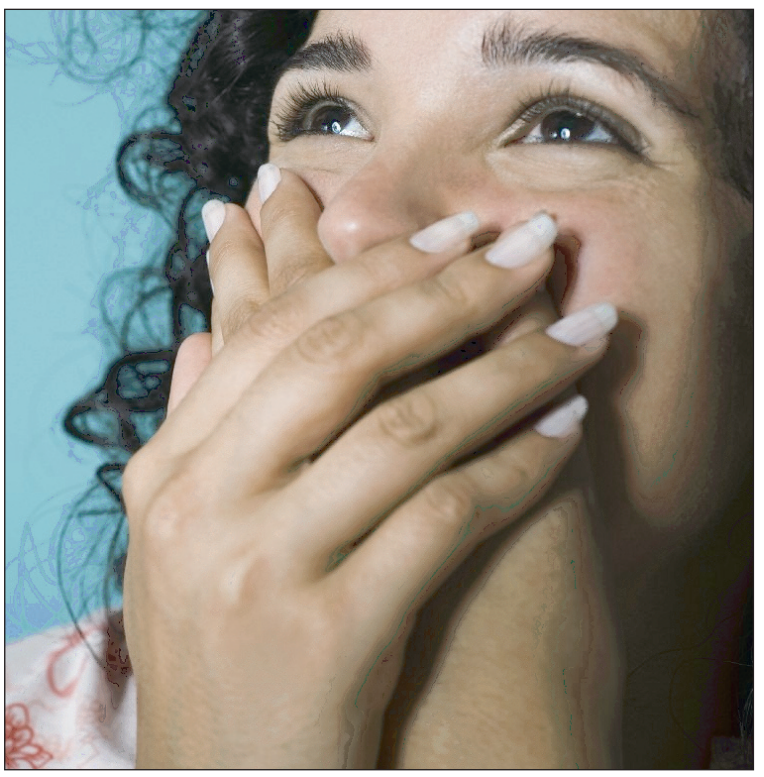

इंसान ही ऐसा जानवर है जो हंस सकता है. लेकिन क्या हंसी भी कई प्रकार की होती है. तो इस प्रश्न का उत्तर हां में ही है. हंसी का कई तरह से वर्गीकरण किया जाता है. अभिव्यक्ति के आधार पर दबी सी हंसी, खीस हंसी, खिलखिलाकर हंसना, मुंह दबाकर हंसना, ठहाके मार कर हंसना, हंसी के प्रकार हो सकते हैं. लेकिन इसके अलावा एक वर्गीकरण और भी है जिसमें हंसी के कारण, स्थान परिस्थिति आदि कारकों को भी शामिल किया गया है. आइए हंसी के इन प्रकारों को नाम शिष्टाचार, मानवीय हावभाव, हंसी के असर आदि अलगअलग आधार पर दिए गए हैं. आइए जानते हैं कि हंसी के कितने प्रकार होते हैं

शिष्टाचार की हंसी (Etiquette Laughter)

सबसे औपचारिक हंसी होती है. इस हंसी में सबसे ज्यादा नियंत्रण होता है. यह हंसी औपचारिक मौकों पर देखने को मिलती है. जैसे ऑफिस में या बाहर बॉस के सामने, या फिर अति सम्मानित व्यक्ति के सामने जिससे हमें बहुत शिष्टता से पेश आने की जरूरत है. इसके अलावा एक बेचैनी हंसी या नर्वस हंसी भी नियंत्रित हंसी कही जा सकती है. यह अपने सम्मान को बचाने, खुद को तनाव में ना दिखाने के लिए या फिर शर्मिंदगी को बचाने की कोशिश में देखने को मिलती है. इसे नकली हंसी भीमाना जाता है.

कई बार देखने में आता है कि जब दोस्तों के बीच हंसी के माहौल में जब भी कोई एक व्यक्ति हंसता है तो उसके साथ दूसरा व्यक्ति भी हंसने लगता है. इस हंसी को संक्रमण की हंसी कहा जाता है. यह संक्रामक रोग की तरह फैलने वाली हंसी होती है. हंसी का माहौल इसी तरह की हंसी के लिए कहा जाता है. यह हंसी उबासी की ही तरह फैलती है.

पेट पकड़ कर हंसना (Belly Laughter

सबसे ईमानदार हंसी कहलाती है. इसमें खास बात यह होती है कि आप जोर से यानि खुल कर हंसते हैं और देर तक हंसते हैं. यहां तक की हंसते हंसते पेट मे दर्द होने लगता है इसलिए आप अपना पेट पकड़ लेते हैं. इसी लिए इसे पेट पकड़कर हंसना या बेली लाफ्टर नाम दिया है. एक ईमानदारी वाली हंसी और होती है जो खिलखिला कर हंसने वाली श्रेणी में आती है. इसे कैन्ड लाफ्टर कहते हैं. ऐसी हंसी हमें कॉमेडी शो के साउंड ट्रैक में सुनाई देती है जो उसकी विशेष पहचान होती है. वैसे तो हंसी अपने आप में तनाव से मुक्ति देने वाली होती है. लेकिन अचानक खिलखिला कर फूटने वाली हंसी को तनाव से मुक्ति देने वाली हंसी कहते हैं.

शांत हंसी (Silent Laughter),

जैसा की नाम से ही जाहिर है कि इस हंसी में आवाज नहीं होती है. इस तरह की हंसी को कला के तौर पर भी लिया जाता है. फिल्मी या टीवी कलाकारों (खासतौर से जोकरों) में इस तरह की हंसी ज्यादा देखने को मिलती है. इसमें खुलकर हंसा जाता है, लेकिन जोर से हंसने की आवाज नहीं निकलती है. वहीं अगर मुंह बंद कर हंसा जाए तो कबूतर वाली हंसी हो जाएगी. इसमें ऐसा लगता है कि कबूतर या फिर मधुमक्खी के भिनभिनाने की आवाज आती लगती है. दोनों तरह की हंसी लाफ्टर थेरेपी में उपयोग किया जाता है

हंसी के साथ एक अनोखा भाव भी जुड़ा है वह है हंसी उड़ाना. कई बार कोई व्यक्ति शर्मिंदगी भरे लम्हों से गुजरता है तो उसके आसपास के लोग हंस पड़ते हैं. शिष्टाचारवश ऐसे मौकों पर हंसने ठीक नहीं माना जाता है. कई बार लोग दूसरों का मजाक बनाते हुए भी हंसने के मौके बनाते हैं. इस तरह के हालात के बाद जो हंसी निकलती है उसे क्रूर हंसी कहा जाता है. तो जान लिया आपने हंसी का कौन सा तरीका अपनाया हुआ है। न्यूज़ वायरस पर ऐसी ही रोचक , दिलचस्प और ज्ञान विज्ञानं से जुडी खबरों के लिए पढ़ते रहिये हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस आपका अखबार - तरोताज़ा हर बार

काम की बात : प्लास्टिक यूज़ करने वालों के लिए ये है दूसरा विकल्प

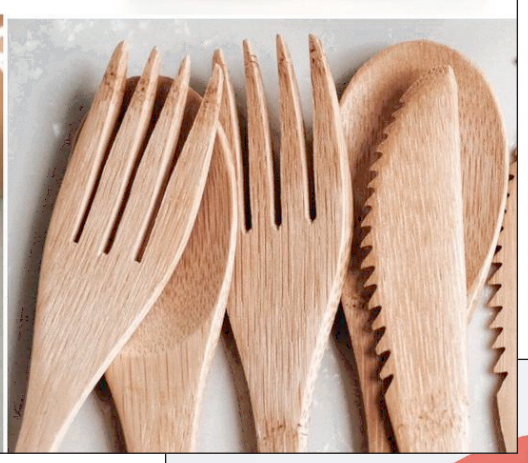

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज प्लास्टिक बैन हुए एक हफ्ता हो गया है थोड़ी कठिनाई का सामना अवश्य करना पड़ रहा होगा सरकार के तरफ से काफी सकती की गए है लोगो के चालान किए जा रहे है हाल ही में एक व्यक्ति जो एक दुकान से प्लास्टिक के बैग में 20 रूपए की चाऊमीन घर लेके जा रहा था, उसका 200 रूपए का चालान कटा है व्यक्ति का कहना ये था 20 रूपए की चाऊमीन उसे 230 रूपए की पड़ी । इससे आप भी जागरूक होजाए और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करना बंद करदे ।

काफी लोग परेशान है की प्लास्टिक ना यूज़ करे तो क्या करे तो आज हम आपके पास इसका विकल्प भी लेके आए है। वैसे तो बाजार में काफी विकल्प आगए है लेकिन फिर भी हम आपको आज बांस से बने उत्पादों के बारे में बताएंगे। यहां आप अपने दैनिक जीवन और यात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

बांस का टूथब्रश

बांस के टूथब्रश एक पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हैं, क्योंकि उत्पाद बांस से विकसित किया गया है जो एक प्राकृतिक पौधा है। इसलिए यह उपयोग करने के लिए पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल (जिसमें सामान्य प्लास्टिक में उपलब्ध होने वाले केमिकल्स नहीं होते हैं) और टिकाऊ उत्पाद बन जाता है। यह बांस ब्रिसल टूथब्रश एर्गोनॉमिक रूप से आपकी मौखिक स्वच्छता को बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हमारे ग्रह को नुकसान पहुंचाने वाले प्लास्टिक टूथब्रश के उपयोग को खत्म करने में भी मदद करता है। अलमित्रा का यह बांस ब्रश उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो अभी पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के साथ शुरुआत कर रहे हैं।

बायोडिग्रेडेबल कटलरी

प्लास्टिक मुक्त वातावरण में योगदान देने वाले सबसे सरल उत्पाद हैं ये बायोडिग्रेडेबल कटलरी। जब आप उन्हें बांस से बदल सकते हैं तो प्लास्टिक के चम्मच और कांटे का उपयोग करने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह किट उपयोग में आसान है और यात्रा के अनुकूल भी है। ये उत्पाद प्रकृति से पैदा हुए हैं, और प्रकृति में भी वापस जाते हैं।

तांबे की बोतल

तांबे की बोतलों को इसके कई लाभों के लिए जाना जाता है जैसे कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, रोगाणुरोधी, विरोधी भड़काऊ, एंटी-कार्सिनोजेनिक होता है। इसके अलावा, यह हीमोग्लोबिन और कोशिका पुनर्जनन के निर्माण में मदद करता है। यदि आप विकल्पों की तलाश कर रहे हैं और हमारी पृथ्वी को बचाने में योगदान दे रहे हैं, तो ऑर्गेनिक बी द्वारा इन तांबे की बोतलों का उपयोग करना एक शुरुआत हो सकती है।

कैनवास ढोना बैग

यदि आप वास्तव में स्वच्छ ऊर्जा और प्लास्टिक प्रदूषण मुक्त वातावरण के लिए मतदान कर रहे हैं, तो इस स्टाइलिश टोट बैग का उपयोग करके इसे प्रचारित करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है जो सब कुछ बयां करता है। यह ए ब्लैंक कैनवास द्वारा एक आदर्श बैग है जो आपकी खरीदारी के लिए काम आता है और एक ऐसा बैग जो विक्रेताओं से किराने का सामान खरीदते समय खुद के लिए बोलता है। एक स्टाइल स्टेटमेंट बनाने का एक आदर्श उदाहरण अभी भी स्थायी विकल्पों के बारे में जागरूकता पैदा कर रहा है!

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा